

एक झलक

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति
जिमी कार्टर का निधन

वॉशिंगटन : अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति जिमी कार्टर का सौ साल की उम्र में रविवार को निधन हो गया। वे अमेरिका के सबसे लंबे समय तक राष्ट्रपति रहे थे। वे राष्ट्रपति रहे। जिमी कार्टर गरीबों व वरितों की सेवा और उनके अधिकारों की वकालत करने वाले मानवतावादी नेता के रूप में जाने जाते थे। जिमी कार्टर के निधन पर राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, 'आज अमेरिका और दुनिया ने असाधारण राजनेता और मानवतावादी खो दिया।'

तर्हं इंजराइल में काम करने को तैयार भारतीय मजदूर

तेलअवीव : इंजराइल में पिछले एक साल से जारी संघर्ष और हमार के हाथों के बाद भी भारतीय श्रमिकों की साथ में लगातार हार रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई भारतीय मजदूर इंस खारानक स्थिति में भी इंजराइल में काम करने को तैयार हैं। मजदूर बताते हैं, यहां डरने की कोई बात नहीं है। हावां हमलों की चेतावनियों के बाद हमें शेष रूप में जान पड़ता है, लेकिन जैसे ही सायरन बदल होते हैं, हम अपने काम पर लौट आते हैं।

इंजराइल में उच्च आय और बेंतर आधिकारी में भारतीय श्रमिकों का आकर्षित करते हैं। कई श्रमिक अपने देश की उत्तरान में नियुक्त होते हैं और उन्होंने के लिए इंजराइल आते हैं। पिछले एक साल में करीब 16,000 भारतीय श्रमिक इंजराइल पहुंचे हैं, और उन्होंना भी नियुक्त होते हैं। इंजराइल और दुनिया को बुलाने की योजना बना रहा है।

जैनिन शहर में छात्रों की गोली मारकर हत्या

वेस्ट बैंक : वेस्ट बैंक के अंशात उत्तरी शहर जैनिन में एक फलस्तीनी महिला की उपरोक्त घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट में पत्रकारिता की छात्रों के परिवारों ने दाव किया कि फलस्तीनी सुरक्षा बलों के एक कर्मी ने उसकी उत्तरान से उस समय हत्या कर दी, जब वह अपनी मां और दो छोटे बच्चों के साथ थी। उत्तरोंने कहा कि उस समय क्षेत्र में कोई आतंकवादी नहीं था। फलस्तीनी सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की निया की और इसकी जांच करने का आशावासन भी दिया। बयान में छात्र अल-सबाब के परिवार ने फलस्तीनी सुरक्षा बलों पर अरोप लगाया कि वे दमनकारी बन गए हैं जो अपने ही लोगों की रक्षा करने और इंजराइली कर्जे के खिलाफ खड़े होने के बावजूद उनके खिलाफ आतंकवादी कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं।

संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर रहा इंजराइल

बैरुत : 27 नवंबर से 22 दिसंबर के बीच जैनिन और इंजराइल की ओर से किए संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघन से कम से कम 45 लोगों की मौत हुई है। लेनानी सेना के सुन्न ने जानकारी देते हुए बताया कि इंजराइली सेना ने सीमावर्ती कर्जों से 17 लोगों को परिवार भी किया है। मीडिया रिपोर्ट से कुतुबिक सीजारायर उल्लंघन पर हार्दिक हमला, इन और हावां जहाज की डांड़, तोपखाने की गोलीबारी, मशीन गन की गोलीबारी, धुसरेप, सड़कों और कृषि क्षेत्रों को नुकसान हुए थांवा, साथ ही वाहनों को जलाना शामिल है।

सोमवती अमावस्या : हर की पैड़ी पर गंगा स्नान को उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

हरिद्वार : सोमवती अमावस्या पर्व को लेकर हरिद्वार में श्रद्धालुओं की उत्साह देखते ही बन रहा है। देश रात से ही हर की पैड़ी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी शुरू हो गयी थी। देश के विभिन्न प्रांतों से आए श्रद्धालुओं की भीड़ भीर से ही हर की पैड़ी समेत गंगा के विभिन्न घाटों पर गंगा स्नान करने से सभी कट्ट दूर होते हैं। भोजकामपार पूरी होती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यहां नहीं सैकड़ों अश्वमेघ यज्ञ के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर पितरों के निमित्त पूजा करने से जीवन में सुख और शांति आती है। भीषण ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगायी। सोमवती अमावस्या के पूर्णे देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। भेत्र क्षेत्र को

कामना की। अमावस्या पर्व पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के पुख्ता इंजाम किए गए थे।

ऐसी मान्यता है कि सोमवती अमावस्या पर गंगा में स्नान करने से सभी कट्ट दूर होते हैं। भोजकामपार पूरी होती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यहां नहीं सैकड़ों अश्वमेघ यज्ञ के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर पितरों के निमित्त पूजा करने से जीवन में सुख और शांति आती है। भीषण ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगायी। सोमवती अमावस्या के पूर्णे देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। भेत्र क्षेत्र को

■ कड़के की ठंड भी नहीं रोक सकी आस्थावानों के कदम



14 जोन और 39 सेक्टरों में बांट कर अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को तैनात किया। इसके साथ ही यातायात प्लान भी लागू किया गया।

इस बाबत नारायणीशिला के पर्डित मोज त्रिपाठी का कहना है कि वैसे तो सभी अमावस्या पर गंगा स्नान का महत्व है। मगर सोमवती अर्थात् सोमवती अथवा भोजवती अर्थात् भोजवती अमावस्या विशेष पुण्यदाती होती है।

इसके पृष्ठ का इसी बात से पता लगा सकते हैं कि इस वर्ष भी अमावस्या की प्रतीक्षा में स्वर्वं भीष्म पितमह ने अपनी शरीर पर पड़े रहते हुए इंतजार किया था। सोमवती अमावस्या के आने का सोमवती अर्थात् अश्वमेघ कर देने वाली अमावस्या आज के दिन है। मात्र जल स्नान करना यज्ञिकों के अश्वमेघ यज्ञ के समान फल दे देता है।

बताया कि आज के दिन अपने पितरों के

प्रति तर्जन, श्राद्ध आदि करना, पीपल के वृक्ष की ऊजा करना श्रेष्ठ बताया गया है।

इस दिन गंगा आदि पवित्र नदियों में स्नान करने से व्यक्ति के कल्पकल्पान्तर तक के पाप नष्ट हो जाते हैं और व्यक्ति मोक्ष

प्राप्ति होती है। इस अवसर पर गंगा स्नान का महत्व होता है, समाचार लिखे जाने तक स्नान का सिलसिला जारी था।

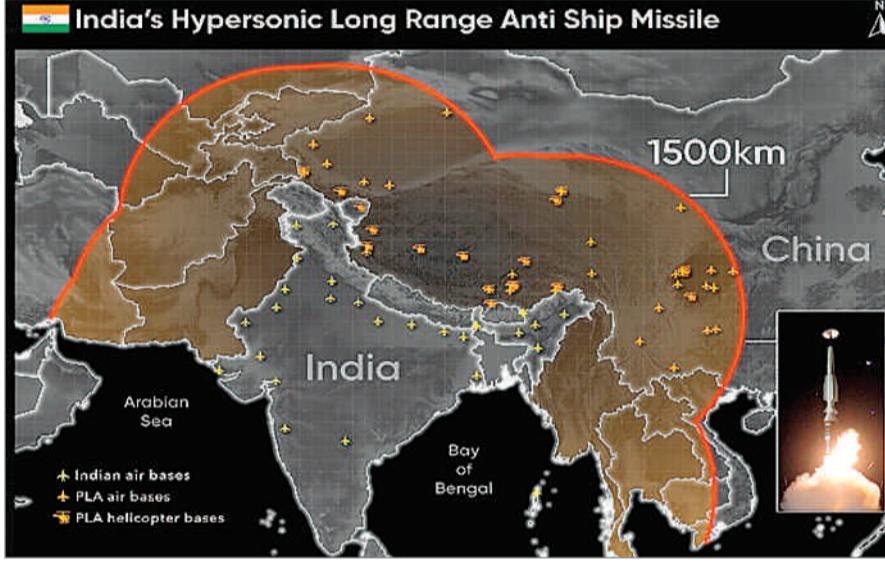
उल्लेखनीय है कि तो सभी अमावस्या का महत्व होता है, मगर सोमवती अमावस्या स्नान और अश्वमेघ यज्ञ के साथ अधिक तर्जना दिया जाता है। इस दिन गंगा स्नान और पितरों के निमित्त श्राद्ध तर्जन करने का विशेष महत्व शास्त्रों में बताया गया है।

तिक्कती पठार और घीन के आधा दर्जन शहरों को निशाना बनाने में भारत सक्षम

एजेंसी

नवी दिल्ली : भारत ने अब हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की मारक द्वारा बढ़ने की तकनीक हासिल कर ली है। यह हाइपरसोनिक मिसाइल 1500 किमी से अधिक की सीमा के साथ तिक्कती पठार और उत्सर्जन एवं स्थित चीजों के लिए एकमात्र विकल्प है। भारत लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल सशस्त्र बलों के लिए एकमात्र विकल्प है। यह मिसाइल वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी में एक नेतृत्व देता है, जो किसी अन्य देश के पास नहीं है।

डीआरडीओ के मुताबिक यह अपीलर की संस्कृत मिसाइल जो गति, संगम, स्टोरिक्या और प्राणी लोगों की कष्ट को कम करने के लिए एकमात्र विकल्प है। यह लगभग 3 किमी प्रति सेकंड की गति से 1,500 किमी से अधिक दूरी तक पर्याप्त है। यह लगभग 16 नवंबर की दिन एकमात्र विकल्प है। यह मिसाइल वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी में एक नेतृत्व देता है, जो किसी अन्य देश के पास नहीं है।



मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा

डीआरडीओ के मुताबिक मिसाइल सॉलिड प्लॉयल डर्टेट रेमेजेट (एस-एफ-डीआर) प्रणोदन आधारित मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण किया गया। एस-एफ-डीआर की गई उत्तराधारी उड़ान ने डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं और उत्तराधारी उड़ान के लिए एकमात्र विकल्प है। इसकी अनुसंधान के लिए एकमात्र विकल्प है।

वर्जन 1500 किमी से अधिक अंदर तक निशाना लगाने में मदद करेगा। डीआरडीओ ने 13 दिसंबर को एंटिसेप्टिक रेमेजेट के एकीकृत परीक्षण रेंज में सालिंड प्लॉयल डर्टेट रेमेजेट (एस-एफ-डीआर) का अंतिम मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण किया गया। इसकी अनुसंधान के लिए एकमात्र विकल्प है।

वर्जन 1500 किमी से अधिक अंदर तक निशाना लगाने में मदद करेगा। डीआरडीओ ने 13 दिसंबर को एंटिसेप्टिक रेमेजेट के एकीकृत परीक्षण रेंज में सालिंड प्लॉयल डर्टेट रेमेजेट (एस-एफ-डीआर) का अंतिम मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण किया गया। इसकी अनुसंधान के लिए एकमात्र विकल्प है।

वर्जन 1500 किमी से अधिक अंदर तक निशाना लगाने में मदद करेगा। डीआरडीओ ने 13 दिसंबर को एंटिसेप्टिक रेमेजेट के एकीकृत परीक्षण रेंज में सालिंड प्लॉयल डर्टेट रेमेजेट (एस-एफ-डीआर) का अंतिम मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण किया गया। इसकी अनुसंधान के लिए एकमात्र विकल्प है।

वर्जन 1500 किमी से अधिक अंदर तक निशाना लगाने में मदद करेगा।